



एक भारत, श्रेष्ठ भारत.



श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्रीश्री, भारत

“विश्वजुं सौथी डोटुं स्टेट्यू अकतानो संदेश आपशे के,
भाषा अनेक पल भाव अक, राजयो अनेक पल राष्ट्र अक,
पांजो अनेक पल लक्ष्य अक, स्वर अनेक पल राग अक,
रंग अनेक तिरंगो अक, समाज अनेक संस्कार अक,
कार्यो अनेक संकल्प अक, राह अनेक डंजुल अक,
यहेरा अनेक डुस्कान अक,
आ छे भारतनी विशेषता, विविधताडं अकता.”

“सरदार साहेबजुं आ स्टेट्यू डात्र स्डारक ज नही,
भारतनी अकता, अडंडितता अने राष्ट्रडक्तिनो
विश्वने साक्षात्कार करावशे.

‘लोहपुडुष’नी आ प्रतिडा देशभरना किसानोना डेत ओजारोना
लोडंडना योगदान साथे निर्डाला पाडी छे ते ‘लोहपुडुष’ने
देशवासीओनी साथी हृदयडंजलि छे अड हं सडजु छुं.
आडो, सरदार साहेबनी आ सौथी डींची प्रतिडाने
नतडस्तक डंडन करीअे. भारतभूडिना डनोता डुत्रजुं गौरव करीअे.”



श्री विजयभाष डुपाली

माननीय डुड्यडंत्रीश्री, गुजरात